8

सुनें कहानी

खतरे में साँप

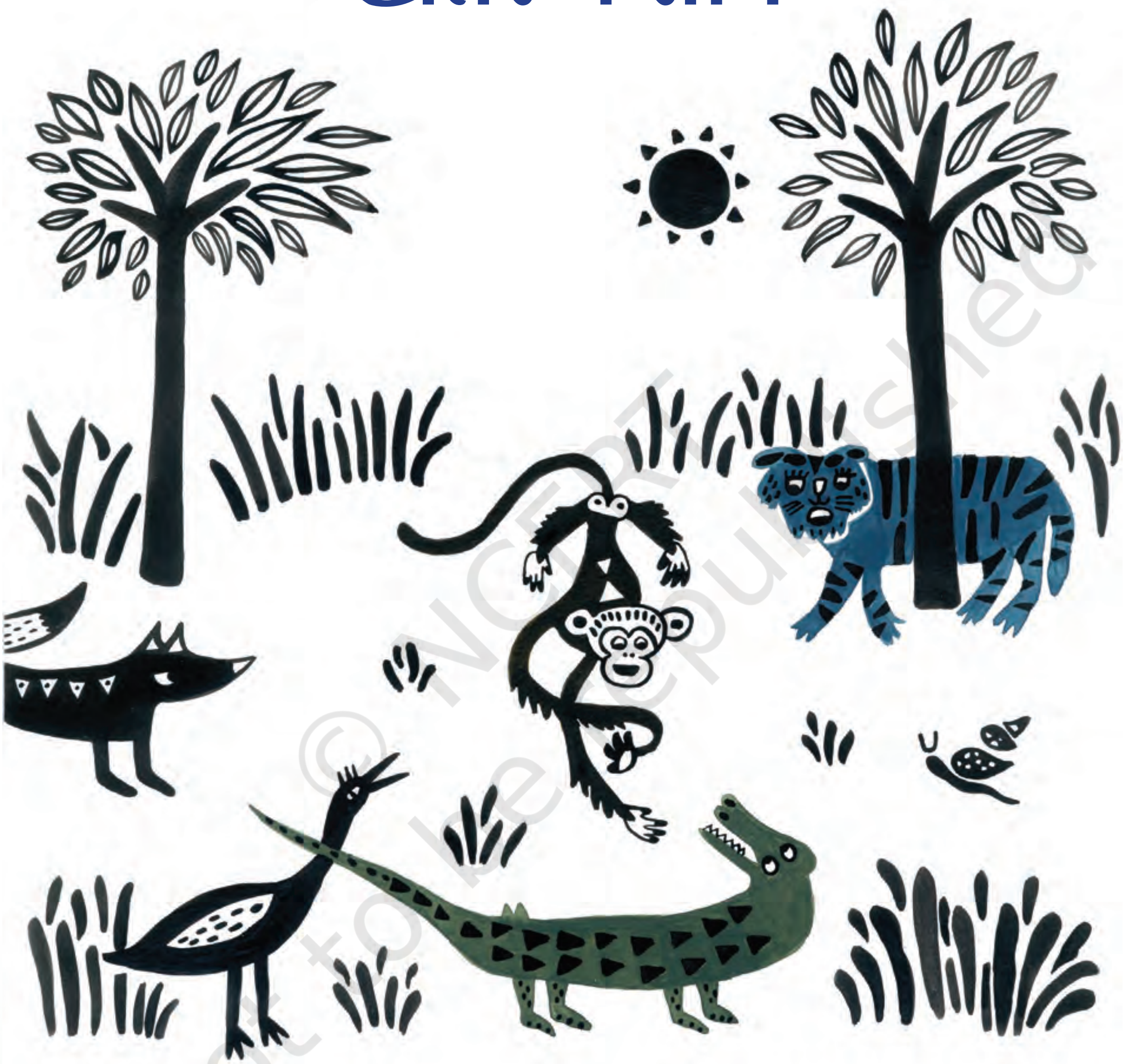

सारे जानवर इकट्ठे हुए थे। बात चल रही थी कि खतरे में अपनी जान कैसे बचाएँ? देर तक बहस चली। अंत में सबको बंदर की सलाह ठीक लगी। बंदर की सलाह थी कि खतरे के समय 'सिर पर पैर रखकर भागना' सबसे अच्छा है।

बातचीत समाप्त हुई और सारे जानवर अपने-अपने ठिकाने चले गए। सिर्फ़ साँप एक-दूसरे का मुँह ताकते देर तक वहीं बैठे रहे।

– चंदन यादव

बातचीत के लिए

1. साँप वहीं क्यों बैठे रह गए?
2. आप साँप को क्या सलाह देंगे?
3. 'सिर पर पैर रखकर भागने' का क्या अर्थ है?

रंग भरिए

बिना रंग-भरे चित्र में दिए गए चित्र जैसा रंग भरिए –

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ 'सिर पर पैर रखकर भागना' मुहावरे के अर्थ के विषय में चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि क्या वे कभी सिर पर पैर रखकर भागे हैं? क्यों और कब? कौन-कौन से कीड़े हैं, जो साँप की तरह वहीं बैठे रहेंगे?

© NCERT not to be republished

चित्र और बातचीत

जंगल

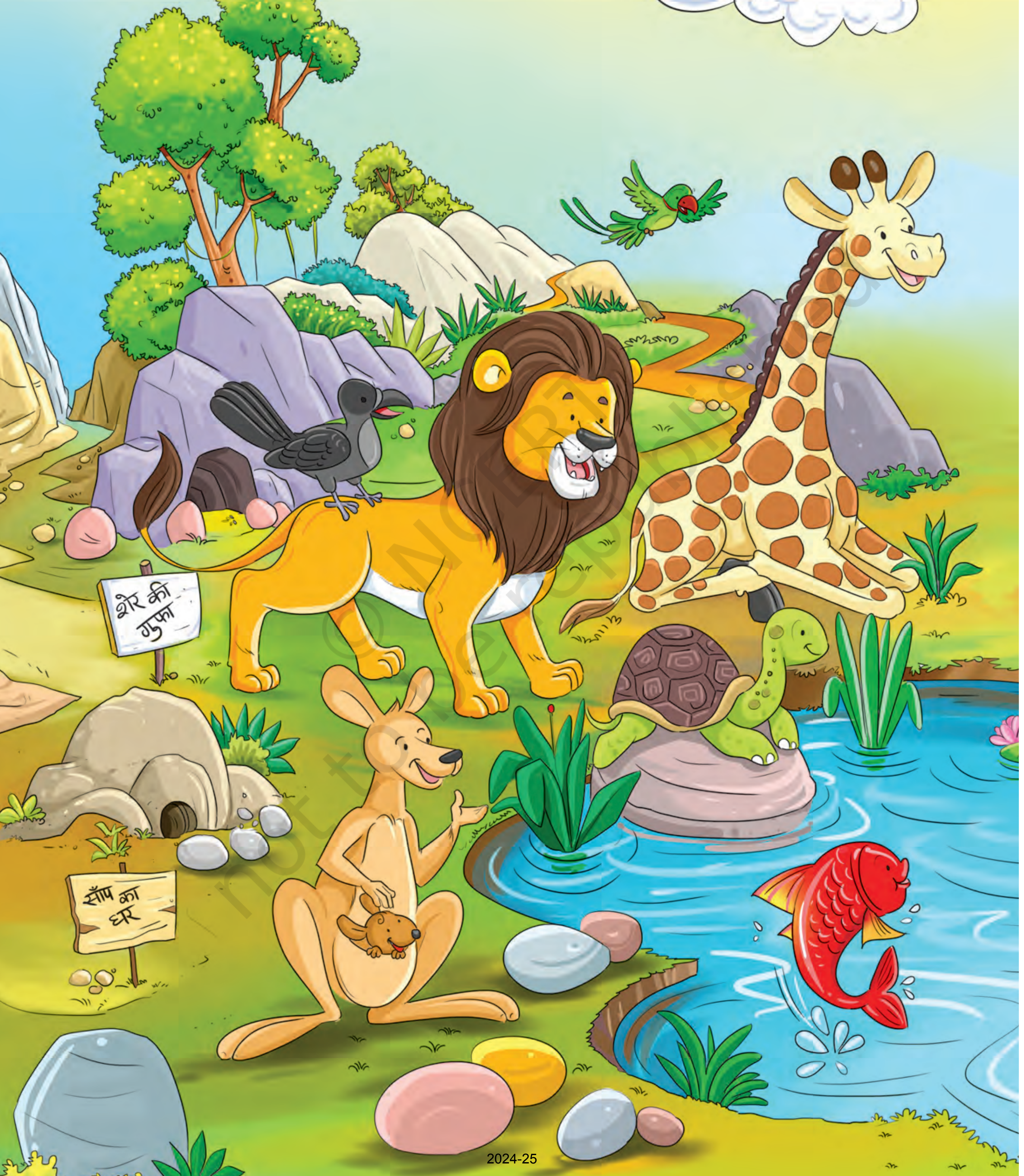

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? कौन-कौन से जानवर हैं? कौन, क्या कर रहा है? आपने इनमें से कौन-कौन से जानवर देखे हैं? कहाँ देखे? आदि। चर्चा में जानवरों के रहने के स्थान, पालतू एवं जंगली जानवरों आदि पर बात की जा सकती है। शिक्षक बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बातें कहने के पर्याप्त अवसर दें।

आनंदमयी कविता

कबरी झबरी बकरी

बकरी कबरी, बकरी झबरी
कबरी झबरी बकरी;
आगे निकली कबरी बकरी,
पीछे रह गई झबरी।
आगे-आगे कबरी बकरी,
पीछ-पीछे झबरी;
साथ चली थीं,
हो गईं आगे-पीछे
कबरी झबरी बकरी

– प्रभात

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ कबरी और झबरी बकरियों के रूप-रंग के बारे में बातचीत कीजिए। 'झबरा', 'कबरा', 'बकरा' आदि शब्दों से तुकबंदी करते हुए बच्चों से नई कविता की रचना करवाएँ।

आओ कुछ बनाएँ

शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों को ध्यान से सुनिए और बनाइए –

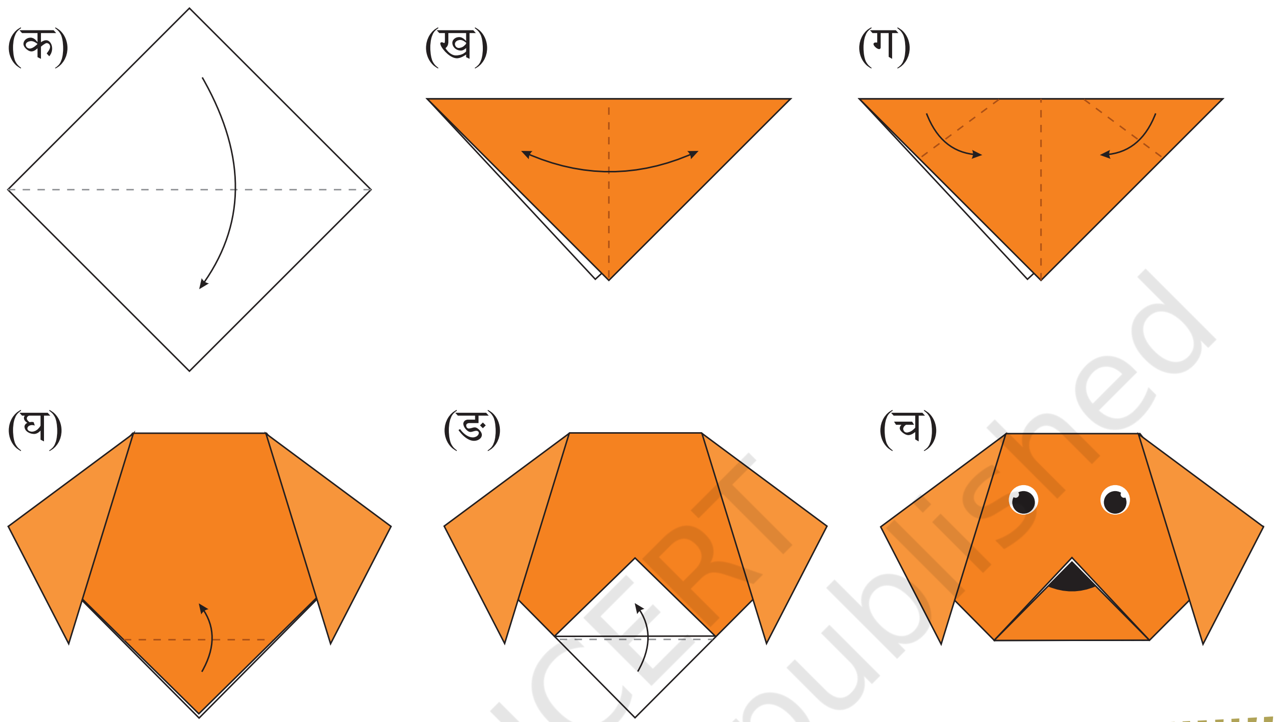

1. एक चौकोर कागज़ लें और उसे चित्र में दिखाए अनुसार टूटी रेखा पर मोड़ें।
2. आपको एक तिकोना कागज़ मिलेगा, उसे चित्र के अनुसार टूटी रेखा पर दो छोटे तिकोनों में मोड़ें, इससे दो कान जैसे बन जाएँगे।
3. नीचे वाले तिकोने को ऊपर की ओर थोड़ा-सा मोड़ लें, इससे कुत्ते का मुँह बनेगा।
4. इस कुत्ते के चेहरे पर कलम या रंग से आँखें और मुँह बना दें। कुत्ते का चेहरा तैयार है!

शिक्षण-संकेत – शिक्षक एक-एक करके बच्चों को निर्देश दें। इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे अपनी गति से काम करेंगे। बच्चों को अपनी गति से काम करने की स्वतंत्रता प्रदान करें।

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

आओ 'र' पहचानें

देखिए और बोलिए 'र' से क्या-क्या शब्द हैं –

रमा

रोटी

र

रानी

रेल

रसगुल्ला

रस्सी

यहाँ कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, इनमें से 'र' को खोजिए और घेरा लगाइए –

गिलहरी बकरी रिमझिम गिरगिट खरगोश

दिए गए अक्षरों को जोड़कर अपने शब्द बनाइए –

घ	ड़ा	हा	ता
दी	ला	थी	ली
मि	ठा	ई	दी
गा	ड़ी	धा	ना

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

कहानी सुनाइए

नीचे कुछ शब्द और चित्र दिए गए हैं। इनकी सहायता से कोई कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए –

खरगोश

भालू

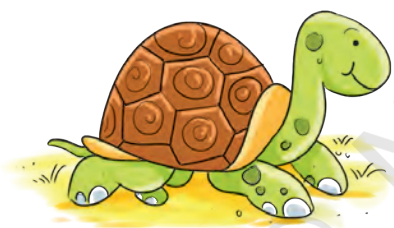

कछुआ

चिड़िया

बंदर

दौड़ना

© NCERT not to be republished